रूहानी शफ़ा

rūhānī shifā

Spiritual Healing

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 2]

(Urdu—Hindi script)

© 2023 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is a collage of HUNGQUACH679PNG https://pixabay.com/illustrations/bird-holy-spirit-cutout-peace-dove-7074455/; Clker-Free-Vector-Images https://pixabay.com/vectors/cattails-grass-lawn-nature-297283/; R. Gunther https://freebibleimages.org/illustrations/ls-jacob-isaac/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

हमें रूहानी शफ़ा मिल जाए	2
हमारे गुनाहों को मिटाया जाए	5
रूहुल-क़ुद्स हमारे दिल में आ बसे	7
बाप, फ़रज़ंद और रूहुल-क़ुद्स की झलक	8
इंजील, यूहन्ना 1:19-34	9

► **यहया कौन था?**

वह पैग़ंबर था। ख़ुदा से भेजा गया नबी।

► **उसमें क्या जादू था कि वह बड़ी भीड़ों से घेरा रहता था?**

वह तो रफ़-सा आदमी था। उसका कपड़ा ऊँटों के बालों से बना हुआ था। खाने के लिए वह बयाबान की टिड्डियों और जंगली शहद पर गुज़ारा करता था। वह शहरों से दूर दरियाए-यरदन के किनारे रहता था। एक-दो मील इस तरफ़ या उस तरफ़ जाओ तो रेगिस्तान शुरू होता था।

यह मर्द अजीब था। उसका पैग़ाम भी अजीब था।

► **पैग़ाम क्या था?**

उसका सादा-सा पैग़ाम था : तसलीम करो कि तुम गुनाहगार हो। फिर यह दिखाने के लिए पानी का बपतिस्मा लो। यानी पानी में ग़ोता लो।

► **गुनाहों का इक़रार इतना अहम क्यों था? इसका मक़सद क्या था?**

मक़सद यह था कि

हमें रूहानी शफ़ा मिल जाए

यहया का पूरा ध्यान हमारी रूहानी शफ़ा थी। और रूहानी शफ़ा का पहला क़दम यह है कि हम मान लें कि हमसे गुनाह हुए हैं।

अजीब बात यह है कि सैंकड़ों लोग शहरों से निकलकर उसके पास आए ताकि बपतिस्मा लें।

► **क्यों? इस पैग़ाम में क्या ख़ास बात थी?**

लोग तो जानते थे कि अल-मसीह आनेवाला है। और अल-मसीह उन्हीं को मंज़ूर करेगा जिन्होंने अपने गुनाहों का इक़रार किया हो। गुनाहगारों को वह मिटा डालेगा।

जब हुजूम यहया नबी को घेरने लगे तो यरूशलम के मज़हबी लीडरों के कान खड़े हो गए। क्या यह आदमी लोगों को वरग़लाकर गड़बड़ करेगा? यह मालूम करने के लिए उन्होंने अपने नुमाइंदे यहया के पास भेज दिए। दरिया पर पहुँचकर उन्होंने सीधे पूछा, "आप कौन हैं?"

► **क्या वह नहीं जानते थे कि वह यहया है?**

बेशक। वह तो उसका नाम नहीं जानना चाहते थे बल्कि यह कि तुम्हारा यह करने का क्या इख़्तियार है? किसने तुम्हें भेज दिया है? यह तो वह काम है जो अल-मसीह की आमद पर किया जाएगा। क्या तुम समझते हो कि तुम ही मसीह हो?

यह सुनकर यहया नबी ने साफ़ जवाब दिया, "मैं मसीह नहीं हूँ।"

उन्होंने पूछा, "तो फिर आप कौन हैं? क्या आप इलयास हैं?"

► **उन्होंने यह क्यों पूछा?**

मलाकी नबी ने फ़रमाया था कि अल-मसीह के आने से पहले पहले इलयास वापस आएगा ताकि लोगों को मसीह के लिए तैयार कर रखे,

> रब के उस अज़ीम और हौलनाक दिन से पहले मैं तुम्हारे पास इलयास नबी को भेजूँगा। ”
> (मलाकी 4:5)

बाद में ख़ुदावंद ईसा ने फ़रमाया कि यहया ही इलयास था। लेकिन इस वक़्त यहया ख़ुद ने इनकार किया, “नहीं, मैं इलयास नहीं हूँ।” वह तो जानता था कि लोग इलयास के बारे में ग़लत सोच रखते हैं। जिस नाते से वह इलयास है यह बात लोग कभी नहीं समझेंगे। वह कभी नहीं समझेंगे कि उसकी बस एक ही ख़िदमत है, यह कि उनकी रूहानी शफ़ा हो जाए।

तब पूछ-गछ करनेवालों ने सवाल किया, “क्या आप आनेवाला नबी हैं?”

► **कौन-सा नबी?**

मूसा ने फ़रमाया था कि

> रब तेरा ख़ुदा तेरे वास्ते तेरे भाइयों में से मुझ जैसे नबी को बरपा करेगा। उसकी सुनना।
> (तौरेत, इस्तिसना 18:15)

लेकिन यहया नबी ने कहा, “नहीं।”

“तो फिर आप कौन हैं?”

यहया ने फ़रमाया, “मैं रेगिस्तान में वह आवाज़ हूँ जो पुकार रही है, रब का रास्ता सीधा बनाओ।”

► **इससे वह क्या कहना चाहता था?**

सदियों पहले यसायाह नबी ने पेशगोई की थी कि अल-मसीह की आमद पर एक आवाज़ पुकारेगी कि

> रेगिस्तान में रब की राह तैयार करो! बयाबान में हमारे ख़ुदा का रास्ता सीधा बनाओ।
> (यसायाह 40:3)

► **यहया पैग़ंबर ने यह क्यों कहा कि मैं वह आवाज़ हूँ?**

अल-मसीह आनेवाला था, इसलिए उसका रास्ता तैयार करना था।

► **मसीह का रास्ता किस तरह तैयार करना था? पक्का रोड बनाने से? या जलसा-जुलूस निकालने से?**

यहया को ऐसी बातों की परवा नहीं थी। उसका वाहिद मक़सद रूहानी शफ़ा था। और इस रूहानी शफ़ा का पहला क़दम यह था कि लोग अपने गुनाहों को तसलीम करें, कि वह दिल से ख़ुदा के लिए तैयार हो जाएँ।

► **क्या आप ख़ुदा के लिए तैयार हैं?**

कुछ और नुमाइंदों ने पूछा, “अगर आप न मसीह हैं, न इलयास या आनेवाला नबी तो फिर आप बपतिस्मा क्यों दे रहे हैं?”

मतलब है, आख़िर यह सारा तमाशा क्यों हो रहा है? कौन तुमसे यह करवा रहा है?

यहया ने जवाब दिया, “मैं तो पानी से बपतिस्मा देता हूँ, लेकिन तुम्हारे दरमियान ही एक खड़ा है जिसको तुम नहीं जानते। वही मेरे बाद आनेवाला है और मैं उसके जूतों के तसमे भी खोलने के लायक़ नहीं।”

मतलब है मेरा बस एक ही काम है। यह कि तुम्हारे दिल अल-मसीह के लिए तैयार हो जाएँ। उसके लिए तैयार हो जाएँ जो तुम्हारे दरमियान आ चुका है।

पूछ-गछ करनेवाले ख़ाली हाथ यरूशलम वापस लौटे।

हमारे गुनाहों को मिटाया जाए

अगले दिन ख़ुदावंद ईसा ख़ुद यहया के पास आया। उसकी ख़िदमत अब शुरू होनेवाला था। उसे देखते ही यहया फूला न समाया। वह पुकार उठा, “देखो, यह अल्लाह का लेला है जो दुनिया का गुनाह उठा ले जाता है।”

► **इसका क्या मतलब था?**

उस ज़माने में कुछ गुरोह समझते थे कि मसीह आकर ताक़तवर लेले जैसा होगा जो गुनाहगारों की अदालत करके रास्तबाज़ों को नजात देगा।

लेकिन लेला एक और बात की तरफ़ भी इशारा है। सदियों पहले जब इसराईली अब मिसर में ग़ुलाम थे तो ख़ुदा ने फ़रमाया था कि इसराईली एक लेले का ख़ून दरवाज़े के चौखटों पर लगाएँ। जिसने ऐसा किया उसके सब घरवाले ज़िंदा रहे। जिसने ऐसा न किया उसका पहलौठा मर गया। रात के वक़्त मिसरियों में बड़ा शोर मच गया, क्योंकि जेल के क़ैदी से लेकर फ़िरौन तक उनके तमाम पहलौठे मर गए थे। तब मिसर का बादशाह इसराईलियों को छोड़ने पर मजबूर हुआ।

एक लेले के ख़ून ने उन्हें ख़ुदा के ग़ज़ब से बचाया।

एक लेला नजात का बाइस बन गया।

ख़ुदावंद ईसा ही यह लेला है जो इनसान के गुनाहों को अपने ऊपर उठाकर दूर करेगा।

वह न सिर्फ़ गुनाहों को माफ़ करेगा बल्कि उन्हें दूर भी करेगा।

► **माफ़ी और दूर करने में क्या फ़रक़ है?**

जब मैं किसी के गुनाहों को माफ़ करूँ तो वह दूर नहीं होते, उन्हें मिटाया नहीं जाता। वह क़ायम रहते हैं। लेकिन मसीह ने न सिर्फ़ हमारे गुनाहों को माफ़ कर दिया बल्कि उन्हें उठा ले गया। उन्हें मिटा दिया। यह एक बहुत बड़ा फ़रक़ है।

रूहुल-क़ुद्स हमारे दिल में आ बसे

तब यहया ने एक चौंका देनेवाली बात कही। "मैंने देखा कि रूहुल-क़ुद्स कबूतर की तरह आसमान पर से उतरकर उस पर ठहर गया। मैं तो उसे नहीं जानता था, लेकिन जब अल्लाह ने मुझे बपतिस्मा देने के लिए भेजा तो उसने मुझे बताया, 'तू देखेगा कि रूहुल-क़ुद्स उतरकर किसी पर ठहर जाएगा। यह वही होगा जो रूहुल-क़ुद्स से बपतिस्मा देगा।' अब मैंने देखा है और गवाही देता हूँ कि यह अल्लाह का फ़रज़ंद है।"

► **रूहुल-क़ुद्स के उतरने का क्या मतलब था?**

यसायाह नबी ने सदियों पहले फ़रमाया था कि रूहुल-क़ुद्स मसीह पर ठहरेगा :

> रब का रूह उस पर ठहरेगा यानी हिकमत और समझ का रूह, मशवरत और क़ुव्वत का रूह, इर-फ़ान और रब के ख़ौफ़ का रूह।
> (यसायाह 11:2)

लेकिन रूहुल-क़ुद्स न सिर्फ़ ख़ुदावंद ईसा पर ठहरेगा। ईसा मसीह के वसीले से हमें भी रूहुल-क़ुद्स हासिल होगा।

► **क्या मतलब?**

यहया का बपतिस्मा तैयारी का बपतिस्मा था। रूहानी शफ़ा का पहला क़दम। लेकिन इनसान अपनी ताक़त से अपने गुनाहों पर ग़ालिब नहीं आ सकता। इसलिए ज़रूरी है कि रूहुल-क़ुद्स उसके

दिल में बसकर उसे तबदील करे, उसे महफ़ूज़ रखे, उसमें रूहानी ज़िंदगी डालता रहे।

बाप, फ़रज़ंद और रूहुल-क़ुद्स की झलक

आख़िर में यहया फ़रमाता है कि अब मैंने देखा है और गवाही देता हूँ कि यह अल्लाह का फ़रज़ंद है।

यों इस वाक़िये में तसलीस की झलक नज़र आती है। ख़ुदावंद ईसा ख़ुदा का फ़रज़ंद है जो अपनी ख़िदमत के आग़ाज़ पर यहया का बपतिस्मा लेता है। इसलिए नहीं कि अपने गुनाहों का इक़रार करे। उससे तो कभी भी गुनाह नहीं हुआ है। लेकिन जिस तरह वह अपने आपको पस्त करके इनसान बन गया उसी तरह उसे यहया का बपतिस्मा भी लेना था। यह इनसान के गुनाहों को उठा ले जाने का पहला क़दम था।

तब ही रूहुल-क़ुद्स उस पर ठहर गया।

ख़ुदा बाप, ख़ुदा फ़रज़ंद और ख़ुदा रूह। बाप ख़ुदा है, फ़रज़ंद ख़ुदा है और रूह ख़ुदा है, लेकिन बाप फ़रज़ंद नहीं है, फ़रज़ंद रूह नहीं है।

ख़ुदा बाप ने फ़रज़ंद को इस दुनिया में भेज दिया ताकि वह हमारे गुनाहों को उठा ले जाए। उसने रूहुल-क़ुद्स को भेज दिया ताकि उसकी रूहानी ज़िंदगी हमारे अंदर आ बसे और हमें तबदील करती रहे।

यों ही हमारी रूहानी शफ़ा हो जाती है। कोई और रास्ता है नहीं। सिर्फ़ यह रास्ता है कि हम अपने गुनाहों का इक़रार करके अपने हाथ ख़ुदावंद ईसा की तरफ़ फैलाएँ। तब ही वह हमारे गुनाहों को उठा ले जाएगा और

रूहुल-क़ुद्स हमारे दिल में आकर बसेगा। तब ही उसकी रूहानी ज़िंदगी हमारे अंदर फैलेगी और हमें आसमानी मनज़िल तक ले जाएगी।

इंजील, यूहन्ना 1:19-34

यह यहया की गवाही है जब यरूशलम के यहूदियों ने इमामों और लावियों को उसके पास भेजकर पूछा, “आप कौन हैं?”

उसने इनकार न किया बल्कि साफ़ तसलीम किया, “मैं मसीह नहीं हूँ।”

उन्होंने पूछा, “तो फिर आप कौन हैं? क्या आप इलयास हैं?”

उसने जवाब दिया, “नहीं, मैं वह नहीं हूँ।”

उन्होंने सवाल किया, “क्या आप आनेवाला नबी हैं?”

उसने कहा, “नहीं।”

“तो फिर हमें बताएँ कि आप कौन हैं? जिन्होंने हमें भेजा है उन्हें हमें कोई न कोई जवाब देना है। आप ख़ुद अपने बारे में क्या कहते हैं?”

यहया ने यसायाह नबी का हवाला देकर जवाब दिया, “मैं रेगिस्तान में वह आवाज़ हूँ जो पुकार रही है, रब का रास्ता सीधा बनाओ।”

भेजे गए लोग फ़रीसी फ़िरक़े से ताल्लुक़ रखते थे। उन्होंने पूछा, “अगर आप न मसीह हैं, न इलयास या आनेवाला नबी तो फिर आप बपतिस्मा क्यों दे रहे हैं?”

यहया ने जवाब दिया, “मैं तो पानी से बपतिस्मा देता हूँ, लेकिन तुम्हारे दरमियान ही एक खड़ा है जिसको तुम नहीं जानते। वही मेरे बाद आनेवाला है और मैं उसके जूतों के तसमे भी खोलने के लायक़ नहीं।”

यह यरदन के पार बैत-अनियाह में हुआ जहाँ यहया बपतिस्मा दे रहा था।

अगले दिन यहया ने ईसा को अपने पास आते देखा। उसने कहा, “देखो, यह अल्लाह का लेला है जो दुनिया का गुनाह उठा ले जाता है। यह वही है जिसके बारे में मैंने कहा, ‘एक मेरे बाद आनेवाला है जो मुझसे बड़ा है, क्योंकि वह मुझसे पहले था।’ मैं तो उसे नहीं जानता था, लेकिन मैं इसलिए आकर पानी से बपतिस्मा देने लगा ताकि वह इसराईल पर ज़ाहिर हो जाए।”

और यहया ने यह गवाही दी, “मैंने देखा कि रूहुल-क़ुद्स कबूतर की तरह आसमान पर से उतरकर उस पर ठहर गया। मैं तो उसे नहीं जानता था, लेकिन जब अल्लाह ने मुझे बपतिस्मा देने के लिए भेजा तो उसने मुझे बताया, ‘तू देखेगा कि रूहुल-क़ुद्स उतरकर किसी पर ठहर जाएगा। यह वही होगा जो रूहुल-क़ुद्स से बपतिस्मा देगा।’ अब मैंने देखा है और गवाही देता हूँ कि यह अल्लाह का फ़रज़ंद है।”